

देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

शानदार 30वां वर्ष

मई-2024 न्यूज़ मैगज़ीन मूल्य ₹25

टी20 विश्व कप की तैयारी शुरू हो गई है

टीम में वापसी के लिए ऋषभ पंत का त्याग

IPL के नए स्टार मयंक यादव शशांक सिंह रियान पराग

100 साल का ओलंपिक सफर



भारतीय सितारों की पेरिस तैयारी

शतरंज में इतिहास रचते डी गुकेश



विराट कोहली

हार्दिक पांड्या

रोहित शर्मा

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम तीसरा विश्व कप खेलेगी



यशस्वी जायसवाल



सूर्यकुमार यादव



संजू सैमसन



ऋषभ पंत



शिवम दुबे



रवींद्र जडेजा



अक्षय पटेल



कुलदीप यादव



युजवेंद्र चहल



अर्शदीप सिंह



जसप्रीत बुमराह



मोहम्मद सिराज

Website: www.nationalsportstimes.org | अगले अंक में पढ़िए टी20 विश्व कप विशेषांक

आरएनआई नंबर: 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26/1 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	: इन्द्रजीत मौर्य
कार्यकारी संपादक	: सुरेश कुमार
प्रबंधक	: निखिल कुमार
विज्ञापन प्रबंधक	: अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	: रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	: सुरेन्द्र डहारे
छायाकार	: निर्मल व्यास
कार्टूनिस्ट	: वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

■ अरुणेश्वर सिंहदेव	■ समीर मिरीकर
■ अरुण भगोलीवाल	■ सुशील सिंह ठाकुर
■ आशीष पाण्डे	■ राजीव सक्सेना
■ शांति कुमार जैन	■ शंकर मूर्ति

विशेष संपादकदाता / समीक्षक

अरुण अर्णव, अनिल वर्मा, हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मो. ईशाउद्दीन, धर्मेंश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, संजय बेनर्जी, अमरनाथ, मो. अफरोज।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइल: 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल
रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोत: इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लॉट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)



24 ओलंपिक काउन्डाउन-3

100 साल का ओलंपिक सफर

अंदर के पन्नों पर

कार्टून का पन्ना	06
आईपीएल के नए स्टार	13-18
टीनी की ऐतिहासिक उपलब्धि	19
अति क्रिकेट, पैसा और चोट	21
एक नजर	27
आईपीएल का ऐतिहासिक मैच	28-29
भारत की पेरिस तैयारी	31-32
कैंडिडेट्स शतरंज 2024	33
डोपिंग का डंक	35
आई लीग फुटबाल	37
पेरिस में भारत के 7 खिलाड़ी	41
खेल डायरी	44

छपते-छपते

वापसी के लिए ऋषभ पंत का त्याग

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में विकेटकीपर ऋषभ पंत का चयन हुआ है। दिसंबर 2022 में कार एक्सीडेंट हुआ तब किसी ने नहीं सोचा था कि पंत वापसी कर पाएंगे। वह वापसी करेगा तो क्या पहले की तरह खेल पाएंगे? पंत ने 16 महीने में फीफ्ट के मैदान पर वापसी कर ली। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए बतौर कप्तान शानदार प्रदर्शन किया। इसके बदौलत भारतीय टीम में जगह बनाई। ऋषभ पंत ने इसके लिए बहुत मेहनत की है और त्याग दिया है। उन्होंने फिटनेस रूटिन के साथ-साथ डाइट पर भी ध्यान दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विकेटकीपर ने पिछले 4 महीने में 16 किलो वजन कम किया है। एक्सीडेंट से पहले जितना उनका

वजन था फिलहाल उससे 9 किलो वजन कम है। उन्हें रसमलाई, बिरयानी और फ्राइड चिकन पसंद है। उन्होंने इससे भी तौबा कर लिया है। फिटनेस के लिए सुशी को अच्छा माना जाता है उन्होंने उसे भी छोड़ दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने दिसंबर के अंत में कम कैलोरी वाला आहार अपनाया। उनके शरीर को प्रतिदिन 1400 कैलोरी चाहिए। वह लगभग 1000 कैलोरी लेते हैं। यह उनके लिए कठिन था क्योंकि मैच-फिटनेस हासिल करने के लिए उन्हें बहुत कड़ी ट्रेनिंग करनी थी और अपने घायल दाहिने पैर की मांसपेशियों को मजबूत करना था।

पंत अपने खाने में स्वाद चाहते थे। इसीलिए जब वह एनसीए में थे तो वह किसी होटल के बजाय बेंगलुरु में एक किराए के घर में रहने लगे। उन्हें घर का बना खाना पसंद था। उन्हें केवल 5 मिलीलीटर अतिरिक्त वर्जिन ओलिव ऑयल लेने की अनुमति थी। वह अपनी पसंदीदा चिली चिकन नहीं छोड़ पा रहे थे। तो इतने तेल में इसे बनाने की विधि निकाली गई। भिन्डी उन्हें काफी पसंद है।

ऋषभ पंत ने केवल डाइट नहीं सोने के समय पर भी ध्यान दिया। रात 11 बजे तक फोन, आईपैड और टीवी समेत सभी गैजेट बंद हो जाते थे। अगली सुबह कड़ी ट्रेनिंग पर लौटने के लिए उन्हें आठ-नौ घंटे की निर्बाध नींद लेनी पड़ती थी। जैसे-जैसे पूरी फिटनेस के करीब पहुंचे, पंत ने हर दिन लगभग ढाई घंटे तक बल्लेबाजी की। उन्होंने आईपीएल के तुरंत पहले विकेटकीपिंग अभ्यास फिर से शुरू किया और प्रतिदिन लगभग 45 मिनट तक अभ्यास किया।



भारत फिर विश्व शतरंज के शिखर की ओर



इन्द्रजीत नौर्य
प्रधान संपादक

युवा खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन से भारत एक बार फिर विश्व शतरंज के शिखर की ओर है। जल्द ही इस खेल में देश को कई और चैंपियन मिलने जा रहे हैं। शतरंज की दुनिया में भारत की धाक और साख दोनों बढ़ रही है। आयु वर्ग में तो हमारे खिलाड़ी दशकों पहले से ही विश्व चैंपियन बनते रहे हैं। क्लासिकल शतरंज की बादशाहत हमारे विश्वनाथन आनंद के पास रह चुकी है। उन्होंने पांच बार विश्व खिताब अपने नाम किया। लंबे अर्से के बाद अब एक बार फिर विश्व शतरंज के सिंहासन पर विराजमान होने का मौका एक भारतीय खिलाड़ी के पास आया है। यह खिलाड़ी है तमिलनाडु का 17 वर्षीय डोमाराजू गुकेश। विश्व चैंपियन हैं चीन के डिंग लिरेन। उनको चुनौती देने के लिए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने टोरंटो (कनाडा) में कैडिडेट्स टूर्नामेंट किया। 64 खिलाड़ियों की पहली परीक्षा से निकलकर आए आठ ग्रैंडमास्टर इस श्रेष्ठता के संघर्ष में शामिल हुए। इनके बीच प्रतिभावान गुकेश का दिमागी कौशल अपने से कहीं मझे हुए खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। आठों ग्रैंडमास्टर एक-दूसरे के साथ दो बार खेले। 14 राउंड के बाद नौ अंकों से शिखर पर रहकर गुकेश ने इतिहास रच दिया।

17 वर्ष, 10 महीने और 24 दिन की उम्र में कैडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले वे विश्व के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पारोव का रिकार्ड ध्वस्त किया। गैरी कास्पारोव ने 1984 में जब इस चैंपियन टूर्नामेंट को जीता था, तब उनकी आयु 22 साल की थी। पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल भारत कोई न कोई ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी उभार रहा है। अब यह संख्या 83 तक पहुंच चुकी है। इनमें से 29 ग्रैंडमास्टर तमिलनाडु से हैं। वास्तव में गुकेश की यह सफलता तमिलनाडु के लिए भी गौरव का क्षण है। 26 अप्रैल को तमिलनाडु राज्य शतरंज एसोसिएशन के 77 साल पूरे हुए हैं। एसोसिएशन को बधाई। 1947 में इस एसोसिएशन का गठन हुआ था।

शतरंज की इस धरती से उभरे खिलाड़ियों में महान विश्वनाथन आनंद, के शशिकिरण जैसे खिलाड़ी भी हैं। कैडिडेट्स टूर्नामेंट में इस बार चुनौती देने वाले तीन भारतीयों में आर प्रज्ञानानंद भी इसी राज्य से हैं। विदित गुजराती नासिक से हैं। गुकेश ने इस शानदार प्रदर्शन से शतरंज विशेषज्ञों को भी सकते में ला दिया। कोई भी कल्पना नहीं कर सकता था कि अनुभवहीन भारतीय खिलाड़ी कैडिडेट्स टूर्नामेंट जीत सकते हैं। दो साल पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था तो कोई भारतीय खिलाड़ी चुनौती में नहीं था। तीनों भारतीय खिलाड़ियों के दावे को तो पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने सिरे से नकार दिया था।

गुकेश की जीतने की संभावना तो उन्होंने बिल्कुल नकार दी थी। यह कहा गया कि भारतीय खिलाड़ी न तो बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगा और न बहुत खराब। कुछ बाजियां जीत सकता है पर अंक पांच से ज्यादा नहीं होंगे। दरअसल कार्लसन का अपना तर्क था। उनकी नजर में नेपोमनियाश्ची, करुआना और हिकारू नकामूरा की तिकड़ी काफी अनुभवी और सशक्त है। इनसे पार पाना भारतीय खिलाड़ियों के लिए मुश्किल होगा। लेकिन उनके इस संदेह को भारतीय खिलाड़ियों ने दूर कर दिया। चुनौती भले ही व्यक्तिगत थी पर प्रज्ञानानंद और गुजराती ने भी जुझारू प्रदर्शन कर अंक झटके और गुकेश की राह आसान बनाई। गुजराती ने नकामूरा को दो बार शिकस्त दी। प्रज्ञानानंद ने नेपोमनियाश्ची को महत्त्वपूर्ण मुकाबले में ड्रा पर रोक दिया। टूर्नामेंट में ज्यादातर समय अंक तालिका में शीर्ष पर नहीं रहे गुकेश अंत में आगे निकले और 14वें राउंड में नकामूरा से बाजी ड्रा खेलकर करिश्मा कर दिया। नौ अंकों के साथ वे नंबर वन रहे। उन्हें एकमात्र हार फ्रांस के नंबर वन खिलाड़ी फिरोजा से मिली। पर यह हार उनके लिए प्रेरणा बन गई।

विशेष

28,000 महिलाओं ने फुटबॉल को अपना करियर बनाया

भारत में लगभग 28,000 महिलाओं ने फुटबॉल को अपना करियर बनाया है। ये संख्या अभी कम जरूर है, क्योंकि पुरुष फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या 2,20,515 है। लेकिन अच्छी चीजों की शुरुआत छोटे से ही होती है। इसीलिए 27,936 महिलाओं का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) में रजिस्टर होना बहुत बड़ी बात है। दो सालों में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। 2022 में महासंघ के पास सिर्फ 11,724 महिला खिलाड़ी रजिस्टर्ड थीं। भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों या विदेशी खिलाड़ियों जितना पैसा और नाम नहीं मिलता। लेकिन इसके बाद भी फीफा की रैंकिंग में भारतीय महिला टीम 66वें नंबर पर है, जबकि पुरुष टीम 121वें नंबर पर है। भारतीय महिला टीम की 5 खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्टा और ई पान्थोई विदेश की मजबूत लीगों में खेलती हैं।

फुटबॉल विशेषज्ञों को लगता है कि पुरुष टीम के मुकाबले महिला टीम के विश्व कप में क्वालीफाई करने की ज्यादा संभावना है। उनका कहना है कि एआईएफएफ को महिला फुटबॉल को और ज्यादा सहयोग देना चाहिए। ऐसा



हो भी रहा है। फेडरेशन ने भारत की सबसे बड़ी महिला लीग इंडियन विमेन्स लीग में अब होम और अवे मैच का फॉर्मेट शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सीजन में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। ज्यादा टीमों, ज्यादा मैच, ज्यादा कॉन्ट्रैक्ट का मतलब है ज्यादा महिला फुटबॉल खिलाड़ी। यह अच्छी बात है कि महिला खिलाड़ी खुद रजिस्टर कर रही हैं। हम महिला फुटबॉल के लिए अपनी योजनाओं में सही रास्ते पर हैं।

आईडब्ल्यूएल में दो इंडियन सुपर लीग (ISL) की महिला टीमों भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब प्रोफेशनल कॉन्ट्रैक्ट भी देते हैं। बड़ी खिलाड़ी सालाना 6-7 लाख रुपये कमाती हैं। एक क्लब अधिकारी ने कहा कि उन्हें आश्चर्य नहीं होगा अगर टॉप खिलाड़ियों की सैलरी 10-12 लाख रुपये तक पहुंच जाए। चौबे ने कहा कि अगर हमें महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है तो हमें मैचों की संख्या बढ़ानी होगी।





रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम तीसरा विश्व कप खेलेगी

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम सफेद बॉल क्रिकेट में तीसरा विश्व कप खेलेगी। पिछले साल वनडे विश्व कप में वह भारत के कप्तान थे। टीम ने फाइनल से पहले शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम ने 10 में 10 मैच जीते थे। हालांकि, फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। रोहित ने खुद बेहतरीन प्रदर्शन किया था। यही वजह है कि उन पर फिर भरोसा जताया गया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने खुद उनके कप्तान होने की पुष्टि पहले ही की थी।

आ गामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया खेलती दिखेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या उपकप्तानी करते दिखेंगे। टीम में दो विकेटकीपर शामिल किए गए हैं। इनमें ऋषभ पंत और संजू सैमसन शामिल हैं। वहीं, केएल राहुल को टीम से बाहर कर दिया है। राहुल पिछले टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के हिस्सा थे। टी20 विश्वकप की शुरुआत एक जून से वेस्टइंडीज-अमेरिका की सह-मेजबानी में हो रही है, जबकि फाइनल 29 जून को खेला जाएगा।

भारतीय टीम से तीन बड़े चेहरों को बाहर किया गया है, जो हाल फिलहाल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। इनमें केएल राहुल के अलावा रिकू सिंह और शुभमन गिल शामिल हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने रिकू और शुभमन को ट्रेवलिंग रिजर्व में रखा है। रिकू पर शिवम दुबे को तरजीह दी गई है। काफी पहले से इस बात की चर्चा हो रही थी कि अगर हार्दिक को चुना जाता है तो शिवम-रिकू में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। वहीं, यशस्वी और शुभमन में से किसी एक को मौका देना था। चयनकर्ताओं ने यशस्वी को शुभमन पर तरजीह दी है। युवराज ने भी शिवम दुबे को शामिल करने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि शिवम लंबे-लंबे छक्केलगा रहे हैं और वह अंतर पैदा कर सकते हैं।

विकेटकीपर के तौर पर चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन को मौका दिया है।